तापमान

अधिकतम 29 डिग्री

न्यूनतम 25 डिग्री

हरिभूमि कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 25 जुलाई 2025

बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर

अशक्त बुजुर्ग महिला की मदद के लिए बाहर निकले न्यायाधीश, बेंच पर बैठ की सुनवाई

4

खबर संक्षेप

हरेली पर 350 पौधों का किया गया रोपण

बैकुण्ठपुर। हरेली पर्व के अवसर पर गुरूवार को नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर क्षेत्रांर्गत एक पेड़ मां के नाम तहत टूरा-टूरी बगीया एवं फिल्टर प्लांट में 350 पौधों का पौधरोपण किया गया। उक्त पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय दुबे के अलावा अन्य कर्मचारी के साथ स्वच्छता दीदीयों ने भी एक पेड़ मां के नाम लगाया। जानकारी के अनुसार नपा बैकुंठपुर द्वारा अब तक निकाय क्षेत्र में 800 पौधों का रोपण किया जा चुका है। नपा बैकुंठपुर 5 हजार पौधरोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे जल्द पुरा कर लेने का दावा किया जा रहा है।

बुढ़ार में कौशल शिविर का आयोजन आज

बैकुण्ठपुर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत मुख्यकार्यपालन अधिकारी सह संचालक डीपीएलसी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में 25 जुलाई को ग्राम पंचायत बुढ़ार में कौशल शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में ग्राम पंचायत बुढ़ार, आमापारा, खुटरापारा, चारपारा कुड़ेली, सरभोका, कसरा, खोडरी, डबरीपारा, अमहर, शिवपुरी एवं रामपुर (प) को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना का उद्देश्य शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न विधाओं में जैसे मेशन (राजमिस्त्री), प्लंबर, कारपेंटर, असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, सोलर इनस्टॉलेशन टेक्नीशियन, योगा इंस्ट्रक्टर, मोटर मैकेनिक सह मोटर ड्राइवर, मशरूम उत्पादन जैसे रोजगार मूलक ट्रेड़ों में प्रशिक्षित कर रोजगार उपलब्ध कराया जाना है। इच्छुक अभ्यार्थी उक्त शिविर में आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर सकते है। साथ ही संबंधित सचिवों को निर्देशित किया गया है कि अपने ग्राम पंचायत में शिक्षित बेरोजगारों का चिन्हांकन कर अभ्यर्थियों का आवेदन पत्र जमा करावें।

पब्लिक स्कूल में मना हरेली पर्व

मनेन्द्रगढ़। यूनिवर्सल पब्लिक स्कूल में पारंपरिक त्योहार हरेली पर्व को बड़े हर्ष और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को हरेली पर्व के महत्व और इसकी पर्यावरणीय प्रासंगिकता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण किया गया। इसमें छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा देना था, इसके साथ ही बच्चों ने हरेली पर्व से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों में पोस्टर मेकिंग, भाषण, पारंपरिक खेल जैसे आयोजन शामिल रहे। विद्यालय प्राचार्य ने बच्चों को इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें प्रकृति से जुड़ाव बनाए रखने और हरियाली को बढ़ावा देने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम ने बच्चों में संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ाया और सभी ने मिलकर इसे एक यादगार अनुभव बनाया।

एनएच 43 के खरवत चौक पर तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से हादसा

असमय बुझ गए तीन घरों में चिराग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

जिले के नेशनल हाइवे-43 पर खरवत चौक में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक छात्रा और 2 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में चरचा क्षेत्र के दो युवक और रामपुर आनी की एक युवती शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इन तीनों को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर जैसे ही परिजन तक पहुंची, पूरे परिवार में कोहराम मच गया। 23-24 जुलाई की दरम्यिानी रात्रि करीब 1 बजे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आने से खरवत चौक पर रुपनगर चरचा निवासी आशीष व अमित चेरवा एवं एकता खाखा निवासी रामपुर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतिका एकता कक्षा 11 वीं की छात्रा थी। हादसा इतना भीषण रहा कि घटनास्थल पर टूटी स्पोर्ट्स बाइक, बिखरा सामान और रक्तरंजित दृश्य इस टक्कर की भयावहता को दर्शा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के समय बाइक सड़क किनारे क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी थी और युवक-युवती के शव पास में ही थे। आसपास कोई वाहन मौजूद नहीं था, जिससे स्पष्ट है कि टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। चरचा पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है, ताकि आरोपी वाहन की पहचान की जा सके। बताया जा रहा है कि तीनों किसी दोस्त के जन्म दिन से वापस लौट रहे थे। नागरिकों ने इस दर्दनाक हादसे के बाद प्रशासन से एनएच-43 पर तेज रफ्तार वाहनों की निगरानी और सड़क सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।

- **छात्रा समेत दो अन्य युवकों की मौत, वाहन चालक फरार**

मृत पड़े युवक-युवती।

पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल में लोगों की भीड़।

गमगीन माहौल में हुआ पोस्टमार्टम

घटना की सूचना मिलते ही चरचा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतकों के परिजन को सूचित किया। तत्पश्चात, तीनों शवों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। व हां परिजन के बयान दर्ज कर पंचनामा तैयार किया गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शवों को परिजन को सौंप दिया गया। चरचा थाना प्रभारी प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अज्ञात वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि वाहन की जल्द पहचान की जा सके।

शहर में शोक की लहर

बीती रात्रि इस हृदयविदारक हादसे से स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। खासतौर पर एकता जैसी कक्षा 11 वीं की छात्रा की असमय मौत ने हर किसी को झकझोर दिया है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने हादसे पर गहरा दुख जताया है तथा प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अमृतधारा: जान जोखिम में डाल कर ले रहे सेल्फी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शुमार अमृतधारा जलप्रपात इन दिनों प्रशासन की अनदेखी और पर्यटकों की लापरवाही का शिकार हो रहा है। हसदेव नदी पर स्थित यह झरना जहां अपनी प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है, वहीं अब यह खतरनाक सेल्फी स्पॉट बनता जा रहा है। हाल ही में सामने आई तस्वीरों और वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि कई पर्यटक जान जोखिम में डालकर जलप्रपात के किनारे खतरनाक स्थानों पर चढ़कर सेल्फी ले रहे हैं, जबकि कलेक्टर द्वारा सुरक्षा के मद्देनजर सेल्फी प्वाइंट्स पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनका पालन नहीं किया जा रहा है। अमृतधारा जैसे दुर्गम स्थल पर सुरक्षा बैरिकेड्स, चेतावनी बोर्ड और प्रशासनिक निगरानी की सख्त आवश्यकता है, लेकिन जमीनी हालात इसके विपरीत नजर आ रहे हैं। कोई गार्ड तैनात नहीं, न ही मौके पर कोई गश्ती दल नजर आता है। नतीजन पर्यटक झरने की चट्टानों तक पहुंच रहे हैं और फिसलने या बह जाने का खतरा बढ़ गया है। विदित हो कि यह क्षेत्र पांचवी अनुसूची क्षेत्र में आता है और यहां कई वन्यजीव जैसे हिरण, बंदर, पक्षी पाए जाते हैं, लेकिन पर्यटकों की भीड़, प्लास्टिक कचरा और ध्वनि प्रदूषण के चलते स्थानीय जैव विविधता पर भी नकारात्मक असर हो रहा है। पूर्व में कलेक्टर कार्यालय द्वारा आदेश जारी कर जलप्रपात क्षेत्र में अनियंत्रित आवाजाही और खतरनाक स्थानों पर जाने पर रोक लगाई गई थी, बावजूद इसके स्थानीय प्रशासन की सतर्कता में कमी के कारण आदेश केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं।

- **कलेक्टर के आदेश का नहीं हो रहा पालन, सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल**

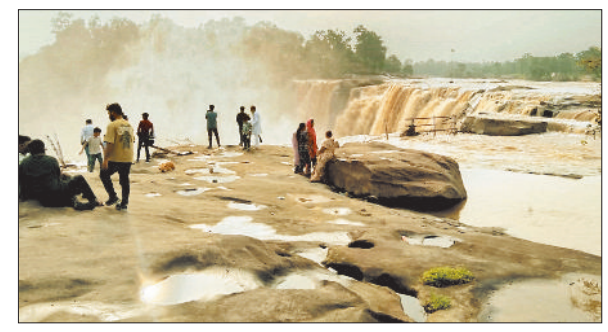

अमृतधारा जलप्रपात में सेल्फी लेते लोग।

सावन में चारों तरफ छायी हरियाली...

बैकुण्ठपुर। सावन के मौसम में हरियाली चारों ओर फैली है। पठारी क्षेत्र के गांव सुंदरपुर की पहाड़ी की चोटी से ली गई इस तस्वीर में जहां तक नजर जाए हरियाली ही दिखाई दे रही, जो प्रकृति का विहंगम नजारा पेश कर रहा है। ऐसा दृश्य देखकर आंखों को सुकून के साथ मन को शांति मिलती है।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा के लिए केन्द्राध्यक्षों की ब्रीफिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

छग व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा 27 जुलाई को आयोजित की जा रही आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा की समुचित तैयारी को लेकर केन्द्राध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर एके मरकाम ने की।

वहीं जिला समन्वयक डॉ. एमसी हिमधर ने केन्द्राध्यक्षों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए व्यापम के नवीन दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। परीक्षा प्रातः 11 से दोपहर 1:15 बजे तक आयोजित की जाएगी, इसके लिए जिले में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षा संचालन की प्रक्रिया को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। परीक्षा केन्द्र सुबह 8 बजे खोले जाएंगे। फ्रिस्किंग में लगे पुलिस बल की तैनाती 8:30 बजे तक सुनिश्चित करनी होगी। परीक्षार्थियों को सुबह 9 बजे तक परीक्षा केन्द्र में प्रवेश कर लेना अनिवार्य होगा। परीक्षा स्थल का मुख्य द्वार 10:30 बजे बंद कर दिया जाएगा, इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रथम चरण में प्रवेश पत्र और मूल पहचान पत्र के आधार पर परीक्षार्थी की पहचान सुनिश्चित की जाएगी। द्वितीय चरण में पुलिस बल द्वारा हैंड मेटल डिटेक्टर और हाथों से फ्रिस्किंग की जाएगी। महिला परीक्षार्थियों की जांच के लिए अस्थाई कक्षों की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। धार्मिक /सांस्कृतिक परिधान पहनने वाले परीक्षार्थियों को सामान्य समय से पूर्व पहुंचकर अतिरिक्त जांच करानी होगी।

ड्रेसकोड और प्रतिबंध

हल्के रंग के आधे बांह के कपड़े पहनना अनिवार्य है। फुटवियर के रूप में केवल चप्पल की अनुमति होगी। कानों में किसी भी प्रकार का आभूषण प्रतिबंधित रहेगा। कोई भी संचार उपकरण, घड़ी, बेल्ट, पर्स, स्कार्फ, टोपी आदि परीक्षा केन्द्र में प्रतिबंधित रहेंगे। वहीं परीक्षा कक्ष में जैमर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाएगी। परीक्षा प्रारंभ और समाप्ति के ⏭शेष पेज 4 पर

शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं, जिम्मेदार अनजान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जनकपुर

एमसीबी जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में भरतपुर एसडीएम कार्यालय के कक्ष में अपर कलेक्टर विनायक शर्मा द्वारा जनदर्शन प्रारंभ किया गया।

प्रथम जनदर्शन 22 जुलाई को जनकपुर के जागरूक निवासी नत्थू पयासी और भाजपा नेता व अधिवक्ता आदित्य गुप्ता ने अपर कलेक्टर विनायक शर्मा को अलग-अलग शिकायत पत्र देकर बताया कि जनकपुर नगर के आबादी में मुख्य सड़क के किनारे आधा सैकड़ा से ज्यादा विशालकाय नीलगिरि और सरई के पेड़ों को काटकर रहस्यमय ढंग से गायब कर दिया गया। इस मामले को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जागरूक नागरिकों द्वारा लगातार प्रशासन को लिखित सूचना दिए एवं समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित हुई, लेकिन यहां के जिम्मेदार अधिकारी अब तक अनजान बने हुए हैं। आबादी क्षेत्र में मुख्य सड़क के किनारे से खुलेआम नीलगिरि और सरई के विशालकाय पेड़ों की कटाई कर रहस्यमय ढंग से गायब कर दिए जाने के मामले में जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि जानकारी नहीं है कि पेड़ों को कौन काटा, कौन ले गया, कहां बेचा गया। जबकि लोक निर्माण विभाग जनकपुर के तत्कालीन एसडीओ प्रमोद श्रीवास्तव द्वारा पेड़ों को काटने की अनुमति मांगी गई, तत्कालीन एसडीएम भरतपुर प्रवीण भगत ने 14 फरवरी को अनुमति दी गई, इसके बाद पेड़ों की कटाई के चपेट में आने वाले विद्युत तार से विद्युत प्रवाह को बंद कराया गया, फिर चिन्हित आधा सैकड़ा से ज्यादा विशालकाय पेड़ों की कटाई प्रारंभ कराई गई, एक सप्ताह तक खुलेआम कटाई के बाद दर्जनभर ट्रकों में लोड कर परिवहन करके जिला से बाहर ले जाया गया, लेकिन इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों का कहना है कि पेड़ों को कौन काटा और कहां ले जाया गया है जानकारी नहीं है, जबकि पेड़ों की कटाई तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय एवं वन विभाग के जनकपुर, कुंवारपुर, बहरासी परिक्षेत्र कार्यालय तथा पार्क परिक्षेत्र कार्यालय केसामने किया गया है। विदित हो कि लोक निर्माण विभाग द्वारा जनकपुर बस्ती का मुख्य सड़क मनेन्द्रगढ़ तिराहा से बनास नदी के पुल तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है, इसी सड़क निर्माण कार्य के दायरे में आने वाले पेड़ों को काटने की अनुमति मांगी गई थी।

वहीं शिकायत कर्ताओं ने शिकायत पत्र में बताया कि इस मामले को शासन द्वारा चलाया गया सुशासन तिहार के दौरान 11 अप्रैल को शिकायत पेटी में एवं 30 मई को ग्राम पंचायत सेमरिहा में आयोजित शिविर में शिकायत पत्र दिया गया था तथा नगर ⏭शेष पेज 4 पर

- **फरियादी कार्यालय का लगाते हैं चक्कर**

श्रावण मास में पूजा-पाठ के साथ किया जाए पौधरोपण

मनेन्द्रगढ़। श्रावण मास के पावन अवसर पर सिद्धबाबा मंदिर परिसर सहित नगर क्षेत्र में प्रतिदिन पूजा-अर्चना, रूद्राभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हो रहा है। इसीक्रम में समिति के पदाधिकारियों द्वारा आमजन से इस पुण्य मास में पौधरोपण करने की विशेष अपील की गई है।

समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि श्रावण मास प्रकृति से जुड़ने और पृथ्वी पर संतुलन बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ समय होता है। सनातन संस्कृति में वृक्षों को केवल पर्यावरण का अंग नहीं, बल्कि देवतुल्य माना गया है। पीपल, बरगद, तुलसी जैसे पौधों की पूजा हजारों वर्षों से होती आ रही है। उन्होंने कहा कि पौधों में देवताओं का वास माना गया है। जैसे पीपल के मूल में ब्रह्मा, तने में विष्णु और शाखाओं में शिव का निवास होता है, इसीलिए ⏭शेष पेज 4 पर

खुले में मांस बिक्री पर रोक लगाने की मांग

मनेन्द्रगढ़। श्रीराम सत्संग सेवा समिति मनेन्द्रगढ़ द्वारा शहर और आस-पास के खुले क्षेत्रों में हो रहे मांस की खुले में बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। समिति ने ज्ञापन में कहा कि खुले में मांस बिक्री से न सिर्फ नगर की स्वच्छता प्रभावित हो रही है, बल्कि इससे आमजन के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। ज्ञापन में बताया गया कि खुले में मांस रखने से गंदगी फैलती है, इससे मांस पर मक्खियां व कीट मंडराते हैं, जिससे संक्रामक रोग फैलने की आशंका बढ़ जाती है। समिति ने सुझाव दिया कि मांस विक्रेताओं को स्वच्छ एवं नियत स्थान पर बिक्री की अनुमति दी जानी चाहिए। समिति ने प्रशासन से शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर खुले में मांस बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने तथा नगर पालिका द्वारा नियमों के तहत उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की है।

अभी बाजार में नहीं लगी ज्यादा दुकानें

रक्षाबंधन 9 को, राखियों के लिए डाकघर में लगी पीली पेटी

डाकघर में राखी के लिए लगाई गई पीली पेटी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

रक्षाबंधन का पर्व इस बार आगामी माह 9 अगस्त को मनाया जाएगा। इस पर्व के लिए तीन सप्ताह से भी कम का समय शेष बचा है, लेकिन अब तक बाजार में राखी की रौनक दिखाई नहीं दे रही है।

शहर के बाजार में अब तक राखी की दुकाने नहीं लग पाई है, इसके पूर्व ही शहर के उप डाकघर के द्वारा राखी के लिए स्पेशल पीली पेटी कुछ दिनों पूर्व लगा दी है, ताकि बहने अपने दूर भाईयों को डाक के माध्यम से राखी भेज सके। जानकारी के अनुसार राखी भेजने के लिए लगाई गई स्पेशल पीली पेटी में केवल राखी के लिए लगाई गई है, ताकि राखी के लिफाफे को छॉटने की जरूरत नहीं पड़ी। पीली पेटी में डाली गई लिफाफों को डाक विभाग के द्वारा प्राथमिकता के साथ गंतव्य तक भेजता है, ताकि समय पर राखी गंतव्य तक पहुंच जाए। प्रतिवर्ष की भॉति इस वर्ष भी डाक विभाग द्वारा राखी स्पेशल के लिए बड़ी पीली पेटी कार्यालय के सामने लगाई गई, जबकि वर्तमान दौर में सामान्य पत्र व्यवहार निजी रूप में कम हो गया है, इसके चलते छोटी पेटी लटकाई गई है,लेकिन रक्षाबंधन को देखते हुए राखी स्पेशल बड़ी पेटी लटकाई गई है। जानकारी के अनुसार वर्तमान समय में भी कई बहनों के द्वारा दूर अपने भाईयों को रक्षाबंधन पर्व के पूर्व ही राखी की खरीददारी कर डाक के माध्यम से भेजते हैं। रक्षाबंधन पर्व के लिए अब अधिक समय नहीं बचा है। एक-एक दिन निकलता जा रहा है, लेकिन अब तक शहर में राखी की दुकान नहीं लग पाए हैं, जबकि डाक विभाग द्वारा राखी के लिए स्पेशल पेटी डाकघर के सामने लटका दी गई है, ताकि राखी का डाक समय पर पहुंचाया जा सके, लेकिन अब तक शहर में राखी की दुकाने ही सजी नहीं हैं, इसके चलते बहने राखी की खरीदी नहीं कर पा रही है। सबसे ज्यादा चिंता दूर डाक से भेजने की होती है, क्योंकि डाकघर के माध्यम से सस्ते दर पर राखी भेजी जा सकती है, निजी कोरियर सेवा महंगी साबित होती है।

वाटरपुरफ लिफाफा उपलब्ध

उप डाकघर में रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए वाटरप्रूफ लिफाफा बहनों के लिए उपलब्ध कराई गई। मिली जानकारी के अनुसार उप डाकघर में पर्याप्त मात्रा में वाटरपुरफ लिफाफा उपलब्ध है, जिसकी कीमत 10 रूपए निर्धारित है। वाटरपुरफ लिफाफा में राखी सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचेगा।

संगम अभियान से जुड़कर महिलाएं बन रही स्वावलंबी

बैकुण्ठपुर। महात्मा गांधी नरेगा योजना में पंजीकृत श्रमिकों के परिवारों की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा संगम अभियान के तहत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में विगत 2 दिनों विकासखंड सोनहत की ग्राम पंचायत तंजरा में पशुपालन पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 35 महिला हितग्राहियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में विशेष रूप से उन महिलाओं को शामिल किया गया, जिन्हें मनरेगा के तहत पशु शेड, बकरी शेड, मुर्गी शेड और सुकर पालन शेड प्रदान किए गए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, ⏭शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

अंडर-14 एवं अंडर-16 सरगुजा क्रिकेट संघ का ट्रायल 27 को

अम्बिकापुर। सरगुजा क्रिकेट संघ ने वर्ष 2026-27 हेतु सभी वर्गों के ट्रायल की तिथियां घोषित कर दी है जिसके तहत अन्डर 14 और अंडर 16 बॉयज का ट्रायल गांधी स्टेडियम में 27 जुलाई की सुबह 8 बजे से होना है। ट्रायल के दिन सभी खिलाड़ियों को क्रिकेट के सफेद पोशाक में अपने क्रिकेट किट सहित दिए गए समय में उपस्थित होना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए सभी खिलाडियों को ओरिजनल पिछले 6 वर्षों की अंकसूची, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, मोबाईल नम्बर सहित दो फोटो और 500 फीस लेकर आना अनिवार्य होगा। इस वर्ष अन्डर 14 का कट ऑफ डेट 1 सितम्बर 2011 से 31 अगस्त 2013 और अंडर 16 का कट ऑफ डेट 1 सितम्बर 2010 से 31 अगस्त 2012 है। इसके बीच के ही खिलाडी ट्रायल में पात्र होगें। चयन ट्रायल के सेलेक्टर संजय सिंह, राजेश अग्रवाल, अमित सिन्हा होंगे। यह ट्रायल स्थानीय स्तर पर राज्य स्तरीय चयन की दिशा में पहला कदम है। वर्षा ऋतु के बाद क्रिकेट सीजन शुरू हो जाता है इसलिए अभी से सरगुजा क्रिकेट संघ जिले की खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया में 30 खिलाड़ियों चयन कर, प्रशिक्षण कैंप लगाकर,आपस में मैच खिलाकर अंतिम 16 खिलाड़ियों की टीम बनाने का निर्णय संघ द्वारा किया गया है।जिसमें प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को भविष्य में जिले एवं राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। उक्त जानकारी संघ के सचिव विनीत विशाल जायसवाल ने दी है।

साप्ताहिक बाजार में लगाया गया आयुष स्वास्थ्य शिविर

लखनपुर। बुधवार को विकासखंड के साप्ताहिक बाजार में आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी, सुरेश जायसवाल, सचिन अग्रवाल संहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। अतिथियों ने भगवान धनवंतरी की विधि विधान से पूजा करते हुए निःशुल्क आयुष स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। आयुष स्वास्थ्य शिविर में 452 मरीज का जांच सह उपचार उपरांत दवा का वितरण किया गया। इस दौरान सिविल प्रभारी आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. यूके साहू, डॉ. श्रीमती रेखा प्रसाद, डॉ. आरके शुक्ला डॉ. आदित्य गुप्ता, लंकेश्वर मरकाम, धनंजय पटेल देवेंद्रपांडे, अनीता गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

डेडरी सलका स्थित घुनघुट्टा नदी के तेज बहाव में फंसी युवती का किया गया रेस्क्यू

बिश्रामपुर। ग्राम डेडरी सलका स्थित घुनघुट्टा नदी में मंगलवार को एक युवती के नदी के तेज बहाव में फंस जाने की सूचना पर डीडीआरएफ

सुरजपुर की टीम ने काफी मशक्कत उपरांत युवती को सुरक्षित बचा लिया है।मंगलवार को जैसे ही बाढ़ नियंत्रण कक्ष को नदी के तेज बहाव में फंस जाने की सूचना मिली,जिला सेनानी संजय गुप्ता के निर्देशन में रेस्क्यू टीम को रवाना किया गया।टीम प्रभारी बीरबल गुप्ता के नेतृत्व में बृजबिहारी, तुलेश्वर, शिवप्रताप मार्को, अजीत, नेमसाय और होलसाय की टीम ने घटनास्थल पर पहुंच घुनघुट्टा नदी के तेज बहाव से संघर्ष करते हुए युवती को बाहर निकाल लिया।टीम द्वारा बचाई गई युवती ने अपना नाम कालेश्वरी पिता विफल देवांगन निवासी गोपालपुर सूरजपुर बताया है।अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह नदी में कैसे पहुंची,यह हादसा था या आत्महत्या का प्रयास।घटना के बाद सुरजपुर पुलिस ने युवती से पूछताछ कर उसके परिजनों को सूचना दे दी है।मौसम विभाग द्वारा भी हाल के दिनों में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है, जिससे क्षेत्र की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी स्थिति में नदियों के आसपास न जाएं।नदी से सटे ग्राम पंचायतों को विशेष रूप से सतर्क रहने के निर्देश जारी किए गए हैं।

टांगी से ग्रामीण पर हमला आरोपी गिरफ्तार

राजपुर। ग्रामीण पर टांगी से प्राणघातक हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पस्ता थाना के डबरा चौकी अंतर्गत ग्राम पकरारी निवासी 38 वर्षीय धरमसाय पैकरा ने पुलिस को शिकायत की थी कि गांव के ही 45 वर्षीय राम प्रीत पैकरा आ. बृजमोहन पैकरा ने पुरानी रंजिश के कारण हत्या करने की नीयत से टांगी से गले में हमला किया। इस घटना की शिकायत ग्रामीण ने 22 अगस्त को की जिसके बाद पुलिस ने मामले में आरोपी राम प्रीत पैकरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी को बीएनएस की धारा 109 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी डवरा विजय दुबे, सउनि रोपन राम पैकरा, प्रधान आरक्षक अमोल कश्यप, शैलेंद्र सिंह, आरक्षक बुद्धिमान सिंह, बजरंग राम, सकेंद्र पैकरा, फूलसाय पावले, सौरभ केरकेट्टा सक्रिय रहे।

पूर्व में नगर निगम व यातायात विभाग ने हटाया था अतिक्रमण

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने निजी एम्बुलेंस व वाहनों का कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने ठेला व निजी एंबुलेंस सहित वाहनों के कब्जा कर लेने से न सिर्फ आवागमन बाधित होती है बल्कि हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। पूर्व में नगर निगम व यातायात विभाग द्वारा अस्पताल के सामने से ठेला, गुमटी समेत निजी एंबुलेंस व वाहन को हटाया था। लेकिन फिर से पूर्व की भांति स्थिति निर्मित हो गई है। इधर निजी एंबुलेंस व वाहन संचालक के एजेंट न सिर्फ सक्रिय रहते है बल्कि मरीज के परिजन को गुमराह कर निजी अस्पताल ले जाने के बहाने मरीज के परिजन से मोटी रकम वसूलते है। अस्पताल के सामने निजी एंबुलेंस एवं वाहनों सहित ठेला की भरमार होने से अस्पताल प्रबंधन ने पुनः हटाए जाने के लिए नगर निगम व पुलिस प्रशासन को पत्र लिख कार्रवाई की मांग की है।

खास बात
- रेफर मरीज को दूसरे अस्पताल पहुंचाने वसूलते है मोटी रकम

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जिले सहित दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग उपचार कराने आते है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल कुछ साल के भीतर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो जाने से मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। ऐसे में निजी एंबुलेंस व वाहन चालकों में कुछ घंटों के भीतर ही मोटी रकम कमाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। आलम यह है कि अस्पताल के सामने निजी एंबुलेंस व वाहनों की भरमार है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने अस्पताल से मरीज ले जाने के लिए निजी एंबुलेंस व वाहन पर प्रतिबंध लगाया है। ऐसे में निजी एंबुलेंस व वाहन संचालक इतने शातिर है कि अस्पताल में अपने एजेंट सक्रिय कर रखे है जो जिले सहित दूर दराज क्षेत्र से सड़क दुर्घटना, सर्पदंश सहित अन्य बीमारियों से पीड़ित गंभीर मरीजों के पहुंचने पर उनके पीछे पड़ जाते है। एजेंट अस्पताल में दाखिल मरीज के परिजन को मेडिकल कॉलेज अस्पताल से बेहतर उपचार शहर के निजी अस्पताल में होने की बात बताकर झांसे में लेते है और अपने निजी एंबुलेंस व वाहन से मरीज को पहुंचाने के बहाने उनसे मोटी रकम वसूल लेते है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने निजी एंबुलेंस व वाहन के बड़ी संख्या में खड़ा रहने तथा आवागमन में हो रही परेशानी के मद्देनजर नगर निगम व यातायात विभाग द्वारा पूर्व में अस्पताल के सामने से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया था। संयुक्त टीम द्वारा ठेला,गुमटी व वाहनों को अस्पताल के सामने से हटाया और पुनः नहीं लगाने की हिदायत दी थी। परंतु कार्रवाई के कुछ दिन बाद पुनः अस्पताल के सामने पूर्व की भांति स्थिति निर्मित हो गई जो अस्पताल के स्टाफ, मरीज के परिजन सहित राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। गत दिन अस्पताल प्रबंधन ने निजी एंबुलेंस, वाहन व ठेला को हटाने के लिए नगर निगम व पुलिस प्रशासन को पत्र लिख कार्रवाई किए जाने की मांग की है जिससे अस्पताल के सामने यातायात व्यवस्थित एवं अस्पताल स्टाफ के आने जाने से परेशानी न हो सके।

अस्पताल के सामने खड़े एम्बुलेंस व वाहनों की भीड़।

हो सकती है बड़ी दुर्घटना

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने ठेला गुमटी के अलावा निजी एंबुलेंस व वाहन के खड़ा होने से हर समय दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। एमसीएच परिसर स्थित महिला वार्ड से कई बार मरीज को स्ट्रेचर से विभिन्न जांच कराने के लिए सड़क पार कर जांच कराने ले जाना पड़ता है। ऐसे में सड़क पर ठेला, वाहनों के खड़ा होने तथा भीड़ भाड़ के कारण कभी ही बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

परिजन को करते है गुमराह

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सक्रिय निजी एम्बुलेंस संचालको अस्पताल से मरीज को ले जाने पर नए तरीका अपनाते है। अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजन को न सिर्फ निजी अस्पताल में बेहतर उपचार को झांसा देते है बल्कि उनके मरीज को पहुंचाने के लिए उनसे मोटी रकम वसूल लेते है। इसके अलावा रेफर मरीज को भी एंबुलेंस से ले जाने के लिए अस्पताल परिसर के बाहर ही एजेंट सौदा तय करते है। पहुंचाने की बात कहने के बाद परिजन से आने-जाने का किराया वसूल कर लेते है।

लिखा गया है पत्र

अस्पताल के सामने निजी एंबुलेंस व वाहन के अलावा ठेला, गुमटी लगाए जाने से आने जाने में काफी परेशानी होती है। पूर्व में भी नगर निगम आयुक्त व यातायात विभाग से शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद अतिक्रमण हटाया गया था। अब पुनः अस्पताल के सामने वाहन व ठेला लगाने लगे है जिसे हटाने के लिए नगर निगम व पुलिस प्रशासन से कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा गया है।

-डॉ. आरसी आर्या, अस्पताल अधीक्षक

राशि डबल करने का झांसा देकर ठगी करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

रकम डबल करने तथा 12 प्रतिशत की दर से प्रतिमाह ब्याज राशि देने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक नगर के एक स्थानीय व्यक्ति ने गत दिन कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि संजीत अग्रवाल द्वारा शुभ निवेश कोचिंग सेंटर चलाने के दौरान पिछले साल माह अप्रैल-मई में यह स्टॉक मार्केट का क्लास करता था। इसी दौरान संजीत अग्रवाल द्वारा प्रलोभन दिया कि 10 लाख रुपये लगाने पर हर महीने 12 प्रतिशत की दर से ब्याज राशि दिया जाएगा और अंत में मूल रकम वापस कर दिया जाएगा। जिसके झांसे में आकर 12 अप्रैल 2024 को अपने बैंक खाता से संजीत अग्रवाल के खाता 10 लाख रुपये दिया। कुछ दिन बाद पुनः 90 दिन में रकम दुगुना करने का प्रलोभन दिया गया जिस कारण यह पुनः 11 लाख रुपये संजीत अग्रवाल के खाता में दिया। उसके बदले में संजीत अग्रवाल के द्वारा अपने बैक खाता का एक 10 लाख और एक 11 लाख रुपये का चेक दिया। 90 दिन की अवधि पूर्ण होने पर जब संजीत से पैसा की मांग किया तो वह टाल मटोल करने लगा और बाद संजीत अग्रवाल अपने मोबाइल फोन को बंद करके फरार गया। संजीत अग्रवाल अपना कोचिंग सेन्टर को भी बंद कर दिया। संजीत अग्रवाल द्वारा 12 प्रतिशत ब्याज प्रति माह व रकम दोगुना करने का झांसा देकर 21 लाख रूपये का ठगी किया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरू। धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। इस बीच पुलिस द्वारा मामले की विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन कर मुखबिर की सूचना के आधार पर बिलासपुर में दबिश देकर आरोपी भैयाथान रोड निवासी संजीत अग्रवाल आ. कन्हैयालाल अग्रवाल (35 वर्ष) को पकड़ा। पूछताछ पर उसने धोखाधड़ी करने की बात कबूल की। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से 3 दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया गया है। प्रकरण के आरोपी के विरूद्ध पूर्व में 40 लाख रूपये लेकर धोखाधड़ी करने का भी अपराध पंजीबद्ध हो चुका है।

फेल विद्यार्थियों को पास कराने का झांसा देकर वसूली, कुलसचिव ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अम्बिकापुर। सेमेस्टर परीक्षा में फेल विद्यार्थियों को पास कराने का झांसा देकर ऑनलाइन राशि वसूलने के मामले में एसजीजीयू के कुलपति ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसजीजीयू के कुलसचिव डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि किसी व्यक्ति द्वारा सेमेस्टर के परीक्षा में फेल छात्र-छात्राओं की फोन कर पास कराने का झांसा देकर राशि वसूलने की शिकायतें लगातार मिल रही थी। इस संबंध में आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने कुल सचिव एवं एसपी से मिलकर मामले की शिकायत की थी। शिकायत में छात्र-छात्राओं का मोबाइल नम्बर 7073058685 से फेल छात्रों को फोन कर आरोपी पास कराने का झांसा देकर फोन पे के माध्यम से ऑनलाइन रात्रि वसूलने की जानकारी दी थी। छात्रो ने आरोपी द्वारा 15 से अधिक छात्र-छात्राओं ठगी का शिकार बनाने की शिकायत की थी। कुछ पीड़ित विद्यार्थियों ने कुल सचिव की भुगतान का राशि भी प्रस्तुत किया था। छात्रों की शिकायत पर सोमवार की शाम कुलसचिव डॉ. त्रिपाठी ने कोतवाली में आरोपी के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति परीक्षार्थी को प्रात्र अंको में बदलाव नहीं कर सकता है। ऐसा संभव भी नहीं है। विद्यार्थी ऐसे लोगों के झांसे में न आएं तथा कड़ी मेहनत से परीक्षा की तैयारी करें। मामले में रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई गई है।

क्रमिक भूख हड़ताल तीन दिनों से अनवरत जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मानीचौक

केतकी खदान में कार्य करने वाले ठेका मजदूर अपनी नौ सूत्रीय मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे है। बताया जा रहा है तीन दिन बीत जाने के बाद भी अब तक मांग पर कोई सार्थक पहल नहीं किया गया है जिससे आक्रोशित श्रमिक भूख हड़ताल को अनवरत जारी रखा है।

- नौ सूत्रीय मांगों को लेकर कर रहे भूख हड़ताल

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के एमडीओ मोड की केतकी खदान में एटक के बैनर तले ठेका श्रमिकों द्वारा 9 सूत्रीय मांग को लेकर 5 दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे जिसका तीसरा दिन संपन्न हुआ है। केतकी खदान के ठेका श्रमिकों के क्रमिक भूख हड़ताल के पहले दिन पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े ने केतकी खदान पहुंचकर धरना स्थल पर उपस्थित ठेका श्रमिकों से कहा कि जब भी किसी शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग या कंपनी खुलती है तो सबसे पहले आसपास के बेरोजगार युवाओं को नौकरी की आस लगी होती है। यही सत्य है जहां आसपास के सैकड़ों युवा बीटीसी प्रशिक्षण करके बेरोजगार घूम रहे है और ठेकेदार पड़ोसी जिला या बाहर से लेबर लाकर काम दे रहे है, जिससे स्थानीय ग्रामीण रोजगार से वंचित हो जा रहे है। वही दूसरी ओर कुछ ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया है उसमें जमकर कमीशन खोरी हो रही है जो बर्दाश्त से बाहर है। एसईसीएल प्रबंधन और एसएमएस कंपनी के ठेकेदार मिलकर शोषण कर रहे हैं। मजदूरों से काम लेने के बाद आधा पैसे का भुगतान करना आपराधिक कृत्य है, जो ठेका श्रमिक वेतन वापसी का विरोध करता है उसे काम से बैठा दिया जाता है। जबकि एग्रीमेंट पेपर में लिखा है उसका एक भी नियम का पालन नहीं करना खान प्रभावित क्षेत्र के श्रमिक का शोषण है, जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज तीसरा दिन बीत गया है लेकिन एसएमएस कंपनी के ठेकेदारों और न ही कंपनी के किसी अधिकारी इस गुत्थी सुलझाने की कोशिश की है जिससे श्रमिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। हड़ताल में बैठे सोमरसाय देवांगन ने बताया कि अभी तक हमारी मांगों को पर कम्पनी द्वारा कोई उचित विचार नहीं किया है। केवल आश्वासन से हड़ताल स्थगित करना चाहता जो अब संभव नहीं है। इस दौरान संत लाल, जवाहर, प्यारे लाल, रामपाल, सुरेंद्र राजवाड़े, सुखलाल सिंह, अब्दुल हनन, मोहन मोहरे, महेंद्र किंडो, रमेश पैकरा, सुखराम रविन्द्र पैकरा, सुमारसाय सहित बड़ी संख्या आंदोलनकारी उपस्थित रहे।

डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन का कोल इंडिया प्रबंधन के साथ पुरानी मांगों पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

कोल इंडिया लिमिटेड के इतिहास में एक बार फिर कर्मचारियों की आवाज बुलंद हुई और वर्षों से लंबित पड़ी प्रमोशन नीति,रिक्त पदों की भर्ती और कोरोना काल से प्रभावित अभ्यर्थियों के भविष्य को लेकर अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स एंड ऑफिशियल्स एसोसिएशन की मांगों पर प्रबंधन को आखिरकार गंभीरता से विचार करना पड़ा।

23 जुलाई को प्रस्तावित अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स एंड ऑफिशियल्स एसोसिएशन का धरना अब टाल दिया गया है,लेकिन यह पीछे हटना नहीं,बल्कि रणनीतिक इंतजार बताया गया है।ज्ञात हो कि गत दिनों 21 जुलाई को कोल इंडिया के साथ एसोसिएशन की बैठक हुई, इस अहम बैठक में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव आरके तिवारी की अगुवाई में अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स एंड ऑफिशियल्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने चार मुख्य मुद्दों पर व्यापक चर्चा की।इस चर्चा ने जहां कर्मचारियों को राहत की उम्मीद दी,वहीं प्रबंधन ने भी खुलकर जवाब दिए और कई मामलों में सैद्धांतिक सहमति जताई है।अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स एंड ऑफिशियल्स एसोसिएशन ने बैठक में वर्षों से अटके हुए प्रमोशन मामले को उठाया।प्रबंधन ने इस मुद्दे पर सकारात्मक संकेत देते हुए आश्वासन दिया कि सीमित प्रमोशन की व्यवस्था पर विचार किया जाएगा, इससे हजारों कर्मचारियों को कैरियर ग्रोथ का मौका मिलेगा।अखिल भारतीय डिप्लोमा इंजीनियर्स एंड ऑफिशियल्स एसोसिएशन ने सन 1993 की पुरानी सुपरवाइजरी केडर स्कीम को बदलने का प्रस्ताव रखा है। उनकी मांग है कि माइनिंग सरदार व ओवरमैन को भी टाइम बॉन्ड प्रमोशन की श्रेणी में लाया जाए, जिससे प्रत्येक तीन साल में ग्रेडवाइज पदोन्नति तय हो।यह कदम यदि लागू हुआ तो अधिकारियों की तरह तकनीकी कर्मियों को भी 9 ग्रेड तक पदोन्नति मिलेगी।

संगठन ने यह मुद्दा भी उठाया कि कोल इंडिया की सहायक कंपनियों में 3234 से अधिक वैधानिक पद रिक्त हैं, जिनमें माइनिंग सरदार,ओवरमैन और सर्वेयर जैसे पद प्रमुख हैं। प्रबंधन ने बताया कि इन रिक्तियों की जानकारी पहले ही पत्र संख्या 858 के माध्यम से सहायक कंपनियों को भेजी जा चुकी है और जल्द ही भर्ती प्रक्रिया को लेकर निर्देश जारी होंगे।कोरोना काल के चलते कई योग्य अभ्यर्थी नियुक्तियों की तय उम्र सीमा पार कर चुके हैं।संगठन ने मांग किया कि ऐसे उम्मीदवारों को कम से कम 5 वर्ष की छूट दी जाए ताकि उनका भविष्य बर्बाद न हो। प्रबंधन ने कहा कि यह मांग भी विचाराधीन है और तकनीकी उप-समिति को सौंपा जाएगा।

गिरने से गंभीर वृद्ध की गई जान

अम्बिकापुर। वृद्धा आश्रम में गिरने से गंभीर हुए वृद्ध की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। जगदीश प्रसाद गुप्ता स्व. बनारसी दास गुप्ता (60 वर्ष) 2021 से शहर के वृद्धाश्रम में रह रहा था। 20 जुलाई की शाम आश्रम में ही पानी पीने जा रहा था। इसी दौरान गिर गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। आश्रम के कर्मचारियों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर आश्रम कर्मचारियों के सुपुर्द किया है।

मंदिर परिसर में की गई कांवरियों के लिए भोजन व्यवस्था

प्रतापपुर। कदम पारा चौक श्याम मंदिर के सामने शंकर मंदिर परिसर में कांवरियों के लिए भोजन, दवाई, फल की व्यवस्था एवं रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। शंकर घाट से जल लेकर आते हुए कांवरियों के लिए कल्याणपुर, खडगांव, केरता, धरमपुर, प्रतापपुर, शिवपुर बाबा जलेश्वर नाथ में जलपान सहित भंडारे की व्यवस्था की गई है। पूरे रास्ते भर फल वितरण किया जा रहा है। प्रतापपुर पहुंचकर भोजन की भी एवं ठहरने की व्यवस्था की गई है। यह सेवा पूरे सावन भर चलती है। आशीष गोयल यह सेवा पिछले 4 वर्षों से कर रहे है। इस सेवा में उनकी पूरी टीम मिलकर उनके साथ दे रही जिसमें शिबू सिंह, आशु द्विवेदी, दीपक कश्यप, लक्ष्मण यादव, जगत लाल, किशोर सोनी एवं नगर उपाध्यक्ष अजीत शरण सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष मानती योगेंद्र सिंह, राजेश कश्यप सहित अन्य सक्रिय है। सावन माह में पूरा नगर भक्तिमय दिखाई दे रहा है। ज्ञात हो कि पूरे सावन भर कांवड़ियों का भीड़ पूरे रास्ते भर दिखाई देती है। प्रतापपुर में बाबा जलेश्वर नाथ शिवपुर धाम, प्राचीन शिवलिंग पक्की तालाब के सामने मंदिर एवं पारदेश्वर शिवलिंग प्रतापपुर में विराजमान है।

रेणुका नदी से जल उठाकर बोल बम के नारे के साथ देवगढ़ धाम निकले कांवरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

सावन माह के दूसरे सप्ताह में आज हजारों की संख्या में कांवरियां रेणुका नदी से जल उठाकर देवगढ़ धाम के लिए रवाना हुए। तडके से बड़ी संख्या में शिव भक्त रेणुका नदी छठ घाट पहुंचे जहां बोल बम के नारा लगाते हुए जल उठाकर 40 किमी दूर देवगढ़ धाम के कठिन यात्रा के लिए निकले कांवरिया का जल पान के लिए जगह जगह विभिन्न समितियों द्वारा व्यवस्था की गई थी। वही कांवरियों की सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए है।

- 40 किमी पैदल यात्रा कर अर्धनेरश्वर भोलेनाथ का करेंगे जलाभिषेक

सावन माह के शुरू होते ही शिव भक्तो का बैजनाथ धाम सहित अन्य शिवालयों में जलाभिषेक के लिए कांवरियों की टोली का रवाना होने का सिलसिला शुरू हो गया है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देवगढ़ धाम जाने के लिए कांवरिया तड़के स्थानीय रेणुका नदी के छठ घाट पहुंचे जहां जल उठाकर देवगढ़ धाम के लिए रवाना हुए। सामूहिक रूप से कांवरियों के देवगढ़ जाने का आयोजन मां कुदरगढ़ी सेवा परिवार द्वारा किया गया है। इस वर्ष बड़ी संख्या में बच्चे से लेकर युवा, बुढे व बड़ी संख्या में महिलाओं ने हर हर महादेव के नारे के साथ भगवा वस्त्र धारण कर काफी उत्साह के साथ रैली में शामिल हुए। कांवरिया 40 किमी का सफर पैदल तय कर देवगढ़ धाम पहुंचेंगे जहा भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। श्रद्धालु कांवरियों को सफर में किसी प्रकार की परेशानी न हो इसे ध्यान में रखकर विभिन्न समितियों द्वारा विभिन्न जगहों पर कांवरियों के विश्राम तथा जलपान की व्यवस्था किए है। कांवरियों में काफी उत्साह देखा गया और सुबह से दोपहर तक रेणुका नदी छठ घाट में श्रद्धालु जल उठाने का सिलसिल चलता रहा।

जगह-जगह की गई है जलपान की व्यवस्था

मां शारदा सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति नमदगिरी द्वारा छुईमोड़ केतका जंगल में, श्याम सेवा समिति, सवारियां सेठ सेवा समिति द्वारा परसानाला मोड़ केतका जंगल में, नवयुवक जागृति मंच मंदिर पारा द्वारा बेलटिकरी चौक केतका में, व्यापारी संघ देवनगर समिति द्वारा शिवरिया धाम केतका में, मैसर्स बैजनाथ अग्रवाल द्वारा नेहरू पार्क रोड प्राथमिक शाला बालक आश्रम केतका में, मैसर्स घीसूराम विजय कुमार अग्रवाल शंकर लाज द्वारा हाई स्कूल ग्राउंड केतका में पुड़ी, आलू चना की सब्जी, कढ़ी पकोड़ा की सब्जी, चावल, करोंदा की चटनी, बूंदी, पानी की व्यवस्था की गई थी।

पुलिस की रही चाक चौबंद व्यवस्था

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में अलसुबह से ही नगर में पुलिस व्यवस्था चाक चौबंद रही। एक साथ हजारों कांवरियों के जल उठाने पहुंचने तथा यातायात व्यवस्था एवं कांवरियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके मद्देनजर जगह-जगह पुलिसिंग व्यवस्था की गई। छठ घाट,लांची,बेलटेकरी,केतका, महगंई आदि सभी जगह में पुलिस के जवान मुस्तैद रहे।

ढहाया गया जर्जर कुलपति कार्यालय भवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

संत गहिरा गुरु विवि के पुराने परिसर स्थित जर्जर कुलपति कार्यालय भवन जेसीबी की मदद से ढहा दिया गया। पूर्व में कुलपति कार्यालय की छत अचानक भरभरा कर गिर गई थी। छत रात में गिरने के कारण कोई हानि नहीं हुई थी।

स्थापना के बाद से ही मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के पास जर्जर शासकीय भवन में संत गहिरा गुरु विवि का संचालन हो रहा है। पिछले साल कुलपति कार्यालय की छत भरभरा कर गिर गई थी। दुर्घटना रात में होने के कारण कोई खास नुकसान नहीं हुआ था। न ही किसी को चोट लगी थी। इस घटना के बाद कुछ सालों पूर्व परिसर में निर्मित पक्के भवन में कुलपति कार्यालय का संचालन किया जा रहा है। जबकि कुल सचिव कार्यालय सहित प्रशासनिक कार्यालय के विभिन्न विभागों का संचालन विश्वविद्यालय के भकुरा परिसर में किया जा रहा है। वर्तमान में कुलपति कार्यालय विवि के सिटी ऑफिस का संचालन पुराने परिसर में हो रहा है। लगातार बारिश होने के कारण छत विहीन कुलपति कार्यालय खतरनाक हो गया था। बारिश से कभी भी इसके गिरने की संभावना जताई जा रही थी। स्थिति को देखते हुए विवि प्रबंधन ने ननि के अधिकारियों को इसकी सूचना दी थी। मंगलवार को ननि के स्वच्छता अधिकारी अवधेश पाण्डेय के निर्देशन में विवि की जेसीबी से जर्जर भवन को ढहाया गया।

सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज को पेश करेंगे अनुराग

मुंबई। निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज के साथ बतौर प्रस्तुतकर्ता जुड़ गए हैं। अनुराग 82वें वेनिस अंतराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को अपना समर्थन दे रहे हैं। निर्देशक अनुपर्णा रॉय इस फिल्म से अपनी शुरुआत कर ही हैं। उनकी पहली ही निर्देशित फिल्म 82वें वेनिस अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वर्ल्ड प्रीमियर करने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म है। यह महोत्सव इस साल 27 अगस्त से 6 सितंबर तक इटली के वेनिस लीडो में आयोजित होगा। मुंबई में दो प्रवासी महिलाओं के बीच बनते रिश्तों पर आधारित सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज को ओरिजोंटी सेक्शन में प्रदर्शित किया जाएगा।

लाइफ Style

अनीत

स्कूल में तोड़ लेती थीं अपनी आईलैशेस

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मोहित सूरी की फिल्म सैयारा को लेकर इन दिनों थिएटरों से लेकर सोशल मीडिया तक पर कहर मचा हुआ है। इश्कबाजों को ट्रीट देती ये फिल्म कइयों को इमोशनल कर रही है और हर तरफी इसकी जमकर तारीफें हो रही हैं।

फिल्म में जहां अहान पांडे की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। वहीं, उनकी हीरोइन अनीत पड्डा की सादगी के लोग कायल हुए जा रहे हैं। इन दिनों फिल्मी दुनिया में इन दोनों की फिल्म सैयारा एक फीवर की तरह साबित हो रही है। अब इस फिल्म की स्टार कास्ट अनीत के बच्चन का एक किस्सा हर किसी को हैरान कर रहा है। अनीत का एक पुराना इंटरव्यू सामने आया है, जिसमें वो बता रही हैं कि वो स्कूल में ऐसा क्या करती थीं कि मां परेशान हो गई थीं। इस इंटरव्यू में पूछा गया था कि स्कूल या कॉलेज के दिनों में क्या सबसे क्रेजी चीजें की थीं? अनीत ने बताया, 'मैं 9 साल की थी और मुझे देखकर मां परेशान हो गई थीं और कहती थीं- बेटा मैं तुम्हारा क्या करूं?' उन्होंने कहा- मैं अपनी पलकें तोड़कर हाथों पर रखती थी और विश मांगती थी ताकि मेरे सपने सच हो सकें।' अनीत के इस वीडियो पर लोगों ने काफी सारे कॉमेंट भी किए हैं। एक ने कहा- मुझे ये रुबीना दिलैक की कॉपी लग रहीं। वहीं, एक ने सैयारा याद कर कहा है- कितनी मस्त मूवी है, वो गोवा वाले सीन। अनीत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर बचपन वाली अपनी तस्वीर शेयर की थी। अपनी दोस्त की शेयर की गई तस्वीर में छोटी सी अनीत गुलाबी पंखों, एक टियारा और हाथ में एक छड़ी के साथ एक सफेद पोशाक पहने माइक के सामने किसी परी सी नजर आ रही हैं।

हॉलीवुड मसाला

दमदार आवाज ने बना दिया

लाखों प्रशंसक

लॉस एंजिल्स। रॉक म्यूजिक के दिग्गज और 'प्रिंस ऑफ डार्कनेस' के नाम से मशहूर ओजी ऑस्बॉर्न के निधन की खबर ने दुनियाभर के संगीत प्रेमियों को गहरे शोक में डाल दिया है। 76 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। 'ब्लैक सब्बाथ' बैंड के साथ अपने कॅरियर की शुरुआत करने वाले ओजी ऑस्बॉर्न ने बाद में सोलो कॅरियर में भी अपार सफलता हासिल की। उनकी दमदार आवाज और मंच पर उग्र प्रदर्शन ने उन्हें लाखों प्रशंसकों का चहेता बना दिया। सिर्फ अंतरराष्ट्रीय कलाकार ही नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की हस्तियां भी इस खबर से दुखी हैं।

हैरी पॉटर बनने से मां बाप को था ऐतराज...

लॉस एंजिल्स। हैरी पॉटर के नाम से घर-घर में पहचाने जाने वाले अभिनेता डेनियल रेडक्लिफ बुधवार को अपना 36वां जन्मदिन मनाया। 23 जुलाई 1989 को लंदन के हैमरस्मिथ जिले में उनका जन्म हुआ। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मा ये लड़का आज दुनियाभर में करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करता है। उनकी मां मार्सिया ग्रेशम पेशे से एक कास्टिंग एजेंट थीं और पिता एलन जॉर्ज रैडक्लिफ लिटरेचर की दुनिया में एक्टिव थे। बहुत कम लोग जानते हैं कि शुरुआत में उनके माता-पिता नहीं चाहते थे कि वो 'हैरी पॉटर' में कास्ट हों। इसके पीछे का कारण था फिल्म की शूटिंग की लोकेशन। शुरुआत में हैरी पॉटर के लॉस एंजिल्स में शूटिंग के चलते उनके माता-पिता झिझक रहे थे, लेकिन बाद में जब शूटिंग यूके में तय हुई, तब डेनियल को फिल्म में साइन किया गया।

बेटियों के लिए बनाएं बेहतर दुनिया...

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने मसान, गैंग्स ऑफ वासेपुर और फुकरे जैसी आइकॉनिक फिल्में की हैं। ऋचा हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखने के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि जब वह छोटी थीं तो उन्हें अपने ही घर में लिंग के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ा था। ऋचा चड्ढा ने बताया कि कैसे उनकी नानी ने बचपन में उनसे ऐसी बातें कहीं जो तब उन्हें समझ में नहीं आई थीं। ऋचा चड्ढा ने बताया कि कैसे हम लड़कियों के लिए इस दुनिया को बेहतर बना सकते हैं और बुनियादी बदलाव करके समाज में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। ऋचा चड्ढा ने एक बातचीत में बताया, मैं एक बच्ची थी जो अपने बेड पर कूद रही थी, मेरी नानी जो हमारे घर आई हुई थीं, उन्होंने कहा- अगर तुम इस तरह कूदती रहोगी तो कोई तुमसे शादी नहीं करेगा।

सड़कों पर बेचता था पानी की बोतल

मुंबई। लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती... यह कहावत इस लड़के पर एकदम फिट बैठती है, जिसे 13 साल पहले तक कोई नहीं जानता था, और स्ट्रगल भरी एक आम जिंदगी जी रहा था। और आज यह साउथ फिल्म इंडस्ट्री के टॉप स्टार्स में शुमार है। इसने 16 करोड़ में एक ऐसी फिल्म बनाई, जिसने दुनियाभर में बजट से 25 गुना अधिक कमाई की, और रिकॉर्ड बना दिया था। कोई सोच भी नहीं सकता कि जो लड़का कभी गुजारे के लिए पानी की बोतलें बेचता था, वह आज देश के टॉप एक्टर्स में शुमार हो जाएगा। यहां बात हो रही है कांतारा के एक्टर, राइटर और डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी की। उन्होंने फिल्मों की दुनिया में स्पॉटबॉय के तौर पर एंट्री की थी, पर स्टारडम पाने में उन्हें 22 साल से भी ज्यादा लग गए।

टीवी मसाला

एक रात की घटनाओं पर आधारित है रोंथ की कहानी

मुंबई। मलयालम की थ्रिलर फिल्मों के दीवाने हैं, तो आपके लिए ओटीटी पर एक नई फिल्म रिलीज हुई है। नाम है 'रोंथ', जिसकी कहानी एक रात की घटनाओं पर आधारित है। यह कहानी दो पुलिसवालों और उनकी गश्ती की है। रोंथ का मतलब है पेट्रोलिंग यानी गश्ती। एक अनुभवी सब-इंस्पेक्टर है योहन्नान और उसके साथ है एक नया पुलिस अफसर दीनानाथ। सीनियर और जूनियर की यह जोड़ी रात में शहर में गश्त पर निकलती है। इस दौरान दोनों निजी समस्याओं, नैतिक दुविधाओं और बढ़ते तनाव से जूझते हैं। संकट और अराजकता की स्थिति भी आती है, जिस कारण दोनों अधिकारियों के बीच मतभेद होते हैं। लेकिन, इस लंबी रात में दोनों को एक-दूसरे का साथ देना है। इसलिए, मतभेद के लिए कोई जगह नहीं है। दोनों को एक-दूसरे पर ही निर्भर रहना होगा। दिलीश पोथन और रोशन मैथ्यू की कमाल की एक्टिंग इसमें चार-चांद लगाती है। शाही कबीर कहते हैं, 'रोंथ लिखते समय, मैंने एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने समय और ड्यूटी पर सहकर्मियों के साथ अपने संबंधों से प्रेरणा ली। यह एक ऐसी दुनिया है जिसमें मैं रहा हूं, और मुझे उम्मीद है कि इन किरदारों के जरिए से दर्शकों को पुलिस प्रणाली के मानवीय और एक अधिक सच्चाई वाले पक्ष की झलक मिलेगी।'

पहले दिन द सोसायटी में बचे 16 खिलाड़ी

मुंबई। मुनव्वर फारूकी का रियलिटी शो 'द सोसायटी' जियो हॉटस्टार पर 21 जुलाई को शुरू हुआ, जिसमें 25 कंटेस्टेंट्स में से पहले ही दिन केवल 16 बचे हैं। आजमा फल्लाह समेत इस शो में सोशल मीडिया पर चर्चित कई चेहरे शामिल हैं। द रॉयल्स, रेग्युलर और द रैग्स में कंटेस्टेंट्स को बांटा गया है, जो उनके प्रदर्शन और बिहेव पर डिपेंड करता है। मुनव्वर फारूकी की लॉक अप की को-कंटेस्टेंट आजमा फल्लाह भी इस रियलिटी शो का हिस्सा हैं। इसके अलावा इस शो में कई ऐसे लोग हैं जिनका सोशल मीडिया पर बड़ा नाम है। ताश के पत्ते वाले गेम में परफेक्ट 21 तक पहुंचने के केवल तीन कंटेस्टेंट्स द रॉयल्स में जगह बना पाए। ये वे लोग हैं जिन्हें टास्क में सबसे ज़्यादा फायदा होता है, लेकिन साथ ही मिसबिहेवियर के कारण नंबर गंवाने का जोखिम भी रहता है। द रॉयल्स में जो तीन खिलाड़ी के नाम आए वे हैं- भविश मदान, नूरी शा, आमिर हुसैन (जो अब रेग्युलर में जा चुके हैं)। रेग्युलर वे लोग होते हैं जिन्हें कुछ फायदे मिलते हैं।

इन स्टारकिड्स की पहली फिल्म हुई हिट

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा का जलवा देखने को मिल रहा है। फिल्म लगातार कमाई के नए-नए रिकॉर्ड बना रही है। ये अनीत पड्डा और अहान पांडे की पहली फिल्म है। अहान पांडे एक फिल्मी घराने से आते हैं। वो अभिनेता चंकी पांडे के भतीजे और अनन्या पांडे के कजिन हैं। ऐसे में इब्राहिम अली खान, राशा थडानी और शनाया कपूर जैसे स्टारकिड्स के फ्लॉप डेब्यू के बाद अब किसी स्टारकिड का एक सफल डेब्यू हुआ है। जिसकी पहली ही फिल्म ने न सिर्फ चार दिनों में सौ करोड़ का आंकड़ा पार किया, बल्कि आए दिन कई सुपरस्टार्स की फिल्मों को पीछे छोड़ रही है। वैसे सिर्फ अहान ही नहीं, कई और भी स्टारकिड्स हैं जिनकी बॉलीवुड में शुरुआत काफी धमाकेदार रही है और उनकी पहली ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई है।

ऋतिक रोशन : आज बॉलीवुड के सुपरस्टार बन चुके ऋतिक रोशन ने 25 साल पहले साल 2000 में फिल्म कहो ना प्यार है से इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की थी। पिता राकेश रोशन द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर एक भूचाल सा ला दिया था। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और ऋतिक ने बॉलीवुड में ग्रैंड इंट्री की। इस फिल्म के नाम आज तक सबसे ज्यादा अवॉर्ड जीतने के रिकॉर्ड हैं और इसका नाम गिनीज बुक में भी दर्ज है।

आलिया भट्ट : आलिया भट्ट ने बॉलीवुड में अपने कदम साल 2012 में आई फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से की थी। करण जौहर द्वारा निर्देशित फिल्म से डेब्यू करना हर स्टार का सपना होता है। स्टूडेंट ऑफ द ईयर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और आलिया का डेब्यू भी बॉलीवुड में सफल रहा।

आमिर खान : बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान भी एक फिल्मी घराने से आते हैं। उनके पिता और चाचा दोनों ही एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर रहे हैं। आमिर ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत 1988 में आई फिल्म कयामत से कयामत तक से की थी। आमिर की पहली ही फिल्म सुपरहिट हुई और आमिर रातों-रात उस वक्त लड़कियों का नया क्रश बन गए थे।

सोनाक्षी सिन्हा : अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का करियर बॉलीवुड में कुछ खास नहीं रहा है। हालांकि, सोनाक्षी ने अपने कॅरियर की शुरुआत सुपरस्टार सलमान खान के साथ सुपरहिट फिल्म दबंग से की थी। हालांकि, फिल्म में उनका सिर्फ एक ढंग का डायलॉग होने पर काफी ट्रोल भी किया गया था। लेकिन दबंग बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और सोनाक्षी का बॉलीवुड में सफल डेब्यू हुआ था।

वरुण धवन : 1990-2000 के दशक के दिग्गज निर्देशक डेविड धवन के बेटे वरुण धवन ने भी अपने कॅरियर की शुरुआत करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से ही की थी। फिल्म हिट हुई और वरुण धवन का बॉलीवुड में एक शानदार आगाज हुआ। वरुण के काम को भी फिल्म में नोटिस किया गया था।

जान्हवी कपूर : श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर की भी बॉलीवुड में शुरुआत अच्छी रही थी। उनकी पहली फिल्म धड़क ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी और फिल्म हिट की कैटेगरी में शामिल रही।

सुशांत की तरह मुझे भी मारने की की जा रही है कोशिश : तनुश्री

मुंबई। तनुश्री दत्ता का सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर सभी परेशान हो गए। एक्ट्रेस का कहना है कि उनके घर पर उनका शोषण होता है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि वह काफी परेशान हैं और बीमार भी हो गई हैं। उन्होंने मदद मांगी है सबसे, लेकिन अब एक इंटरव्यू में तनुश्री ने कहा कि उनके पीछे बॉलीवुड की स्ट्रॉन्ग फोर्स है जो उनके खिलाफ काम कर रही है और उन्हें भी सुशांत की तरह मारने की कोशिश की है। तनुश्री ने कहा, 'मैं काफी खतरे में हूं। सुशांत सिंह राजपूत की तरह, मुझे मारने की कोशिश की जा रही है। मेरी लाइफ भी अब खतरें में है। बता दें कि सुशांत का जब निधन हुआ था तब ऐसी रिपोर्ट्स आई थीं कि बॉलीवुड से उन्हें सपोर्ट नहीं मिला था।' तनुश्री ने अपना नया वीडियो भी शेयर किया है जिसमें वह कह रही हैं कि मैं सरकार से रिक्वेस्ट करती हूं कि मुझे सिक्योरिटी दी जाए। उन्हें लगता है कि उनके खिलाफ इंडस्ट्री के पावरफुल लोग हैं। वैसे फैंस कन्फ्यूज भी हो रहे हैं, क्योंकि एक तरफ वह मदद मांग रही हैं। वहीं, दूसरी तरफ उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह कैमरे की तरफ देखकर फिर पोज दे रही हैं। खैर बीते जिन एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपना रोते हुए वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह बोलती हैं कि पिछले 4-5 साल से उनका उनके ही घर में शोषण हो रहा है। उनके घर में प्लान्ड मेड लगी थीं और उन्होंने चोरी भी की थी। उन्हें सारा काम खुद करना पड़ रहा है।

कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर एक्शन और खून-खराबा वाली फिल्मों का रहा है चलन

सैयारा ने लौटाया लव स्टोरीज का दौर? लाइन में खड़ी हैं 7 रोमांटिक फिल्में

नई दिल्ली। सैयारा की सुपर सक्सेस ने जहां हर किसी को चौंका दिया है, वहीं एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर फिर से प्यार का मौसम लेकर आई है। दिलचस्प है कि आगे एक के बाद एक 7 नई और बड़ी रोमांटिक फिल्में रिलीज होने वाली हैं। सैयारा की सफलता ने सबको चौंका दिया है। 45 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 5 दिनों में ही 132.25 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर लिया है। यह सफलता इसलिए भी दंग करती है कि यह नए कलाकारों की फिल्म है। इस रोमांटिक फिल्म की सुपर सफलता को फिल्मी दुनिया के जानकार पर्दे पर फिर से रोमांस की वापसी का इशारा बता रहे हैं। बीते कुछ समय से जहां बड़े पर्दे और बॉक्स ऑफिस पर एक्शन और खून-खराबा वाली फिल्मों का चलन रहा है। वहीं, दिलचस्प है कि आने वाले दिनों में सैयारा के बाद अब धड़क 2, परमसुंदरी और सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी समेत कई लव स्टोरीज वाली फिल्में रिलीज को तैयार हैं।

सनम तेरी कसम, ये जवानी है दीवानी की री-रिलीज

सैयारा की तरह ही हमने बीते दिनों साल 2016 में आई सनम तेरी कसम की री-रिलीज का असर देखा। पिछले दिनों री-रिलीज पर इस फिल्म ने 41 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर इसी तरह सबको चौंकाया था। इतना ही नहीं, इससे पहले री-रिलीज हुई ये जवानी है दीवानी ने भी 21 करोड़ का नेट बिजनेस किया। यह वह वक्त था, जब बॉक्स ऑफिस पर इमरजेंसी, देवा, आजाद और फतेह जैसी फिल्में डिजास्टर साबित हुईं। जबकि स्काई फोर्स ने जैसे-तैसे 113.62 करोड़ का कारोबार किया, पर 160 करोड़ के बजट के कारण फ्लॉप रही। साफ है, लव स्टोरीज का आकर्षण आज भी ऑडियंस को थिएटर तक खींच सकता है।

एक्शन के शोर में सिनेमा से गायब हो चुका था रोमांस

हिंदी सिनेमा के सौ साल में प्रेम कहानियां हमेशा उसकी रीढ़ रही हैं। फिल्म की हैपी एंडिंग हीरो-हीरोइन के मिलने के बाद ही मानी जाती है। चाहे मुगल-ए-आजम हो या दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, रॉकस्टार हो या हालिया सैयारा, हर दौर में दर्शकों ने लव स्टोरीज के साथ रूमानियत के सपने देखे हैं। मगर बीते कुछ वर्षों में एक्शन, रियलिस्टिक और हॉरर सिनेमा आगे रहा। जाने-माने ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श मानते हैं कि लव स्टोरीज की वापसी जरूरी थी। उनके मुताबिक, 'लव स्टोरीज के दौर का आना बेहद जरूरी है। हां, फिल्मों में प्यार का कोई न कोई एंगल होता है, मगर मैं उस हार्डकोर प्रेम कहानी की बात कर रहा हूं। बीच के कुछ साल में रोमांस मानो हिंदी सिनेमा से गायब ही हो गया था।

एक दीवाने की दीवानियत, लव एंड वॉर, सुस्वागतम खुशामदीद

प्रेम कहानियों का यह रैला यहीं नहीं रुकता। एक दीवाने की दीवानियत में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मोहब्बत की हदें पार करते दिखेंगे। जबकि संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विकी कौशल की तिकड़ी से बड़ी उम्मीदें हैं। इसी तरह पुलकित सम्राट और इजाबेल कैफ (कटरीना कैफ की बहन) की सुस्वागतम खुशामदीद भी प्यार का खूबसूरत पैगाम देती नजर आएगी। इन सभी फिल्मों के लाइनअप को देखकर लगता है कि बॉलीवुड में एक बार फिर मोहब्बत से सजी लव स्टोरीज का मेला सजने को तैयार है।

सिनेमाघरों में अब लगेगा लव स्टोरीज का मेला

सैयारा के बाद अब जल्द रिलीज होने वाली फिल्मों में धड़क 2, एक जुनूनी प्रेम कहानी का वादा करती है। इसके बाद परम सुंदरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर दो अलग संस्कृतियों के प्रेमी बनेंगे, जबकि सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में वरुण धवन और जान्हवी की जोड़ी विपरीत स्वभाव वाले लवर्स की कहानी कहेगी। इसी तरह कार्तिक आर्यन और श्रीलीला की अनाम फिल्म को आशिकी का अगला अध्याय माना जा रहा है।

नए चेहरों के लिए खुलेंगे दरवाजे

सिनेमा में नए चेहरों की लॉन्चिंग के लिए लव स्टोरीज हमेशा सबसे मुफीद मानी गई हैं। जूली, बेताब, कयामत से कयामत तक, कहो न प्यार है, मोहब्बतें, स्टूडेंट ऑफ द ईयर और बैंड बाजा बारात जैसी फिल्मों में नई जोड़ियों ने धमाकेदार एंट्री की। ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा मानते हैं, 'भले ही ये कहना मुश्किल है कि लव स्टोरीज का पूरा दौर लौटेगा।

खबर संक्षेप

511 छात्राओं में से 363 अंग्रेजी में फेल, कुलपति से शिकायत

अम्बिकापुर। एसजीजीयू द्वारा हाल ही में जारी बीए अंतिम वर्ष के परीक्षा परिणाम में राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय की 85 फीसदी छात्राएं अंग्रेजी विषय में फेल घोषित की गई है। छात्राओं को अंग्रेजी विषय में 5 अंक से 15 अंक तक दिए गए है। मामले में आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में पीड़ित छात्राएं बुधवार को कुलपति प्रो.पीपी सिंह से मुलाकात की। रचित मिश्रा ने कुलपति प्रो.सिंह को प्रकरण की विस्तृत जानकारी दी तथा विवि की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया। उन्होंने बताया राजमोहिनी देवी कन्या महाविद्यालय की 511 छात्राओं ने बीए अंतिम वर्ष की परीक्षा दी थी जिसमें 363 अंग्रेजी विषय में फेल घोषित की गई हैं। इसके पूर्व भी कई बार इस तरह के कई मामले हो चुके हैं। कुलपति पो.सिंह ने पीड़ित छात्राओं से संवाद कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा मामले की जांच के लिए कमेटी गठित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कमेटी अंग्रेजी विषय में कम अंक मिलने के कारणों का पता लगाएगा।

जेडी ने 40 कर्मचारियों को दी पदोन्नति

अंबिकापुर। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने वर्षों से लंबित पदोन्नति के प्रकरण में पहल कर कर्मचारियों को राहत दी है। जेडी की ओर से विभिन्न पदों पर लंबित पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए गए है। बता दें कि संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने स्थानीय कार्यालय में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की गई थी बैठक में सहायक ग्रेड-3 से सहायक ग्रेड 2 के 24 कर्मचारियों, सहायक ग्रेड-2 से लेखापाल के पद पर 6 कर्मचारियों एवं लेखापाल से मुख्य लिपिक के पद पर 11 कर्मचारियों तथा पुरुष पर्यवेक्षक से बीईटीओ के पद पर 5 कर्मचारियों का पदोन्नति समिति के निर्णय उपरांत अंतिम चयन सूची जारी किया गया। अंतिम चयन सूची जारी होने के बाद संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शुक्ला ने कुल 40 कर्मचारियों की पदोन्नति आदेश जारी किया गया है। बड़ी बात यह है कि पुरूष पर्यवेक्षक से बीईटीओ के पद पर 5 कर्मचारियों का पदोन्नति लगभग 4 वर्षों बाद किया गया है। पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है।

आरक्षक संवर्ग चयन हेतु लिखित परीक्षा के लिए सूची जारी

अंबिकापुर। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग चयन परीक्षा वर्ष 2023-24 के अंतर्गत सरगुजा संभाग के जिले सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु प्रथम चरण अंतर्गत दस्तावेजों की जांच, शारीरिक माप एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा उपरांत आगामी चरण में लिखित परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। लिखित परीक्षा हेतु पात्र अभ्यर्थियों की सूची छत्तीसगढ़ पुलिस की अधिकृत वेबसाईट, तथा सरगुजा ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट में अपलोड किया जा रहा है एवं सूची सरगुजा संभाग के समस्त जिलों के पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं कंट्रोल रूम में उपलब्ध है। लिखित परीक्षा व्यापम द्वारा आयोजित की जाएगी।

63 की उम्र, बिना रूके 70 किलोमीटर दौड़े, जल चढ़ाकर ही ली सांस

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

बिना रूके, बिना थके लगातार सत्तर किलोमीटर दौड़ना वह भी 63 वर्ष की उम्र में कोई आसान काम नहीं है। शहर के नागरिक रमेश पटेल ऐसा 14 वर्षों से प्रतिवर्ष करते चले आ रहे हैं। यही नहीं उन्होंने सुल्तानपुर से बाबा बैजनाथ धाम तक 120 किलोमीटर की दूरी बिना रूके दौड़ते हुए पूरी की और शिवलिंग पर जल चढ़ाया है। ऐसा करने वाला शायद सरगुजा में दूसरा कोई नहीं है। गुजराती समाज से आने वाले रमेश भाई पटेल विगत 14 वर्षों से शहर के शंकर घाट से जल लेकर दौड़ते हुए जशपुर के कैलाश गुफा तक सत्तर किलोमीटर की दूरी तय करते है। वह भी बिना रूके, अनवरत। कैलाश गुफा में शिवलिंग पर जल चढ़ाकर पूजा पाठ करने के बाद ही सांस लेते है। हर वर्ष सावन में लोग इनका इंतजार करते है कि रमेश भाई कब जल चढ़ाने जाएंगे। रमेश पटेल ने बताया कि वे हर बार सोचते है कि अब उम्र हो चली है और अब पैर भी साथ देने से कतराने लगे हैं इसके बावजूद जैसे ही सावन शुरू होता है मै स्थिर नहीं रह पाता हूं और जल चढ़ाने दौड़ पड़ता हूं। श्री पटेल ने कहा कि इतना तो तय है कि भक्ति में शक्ति तो है। विश्वास में आत्मबल जरूर होता है जिसके सहारे ऐसा कर लेता जूं।

- रोज मां महामाया मंदिर 3 घंटे सुबह 3 घंटे शाम करते है सेवा, आरती में होते है शामिल

14 वर्षों से हर सावन कैलाश गुफा में शिवलिंग पर चढ़ाते है जल

40 वर्षों से सुबह-शाम रोज मंदिर

रमेश पटेल पिछले 40 वर्षों से लगातार सुबह-शाम मां महामाया मंदिर जाते है। 3 घंटे सुबह 3 घंटे शाम मां के दरबार में हाजिरी देना, वहां साफ-सफाई करना और फिर मां की आरती में शामिल होने के बाद ही अन्न जल ग्रहण करना उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

दो दिन पहले ही छोड़ देते है खाना

श्री पटेल ने बताया कि जिस दिन उन्हें जल लेकर दौड़ना होता है, उससे दो दिन पूर्व वे अन्न का त्याग कर देते है। और जल चढ़ाने के एक दिन बाद ही अन्न का सेवन शुरू करते है। उन्होंने बताया कि अब डॉक्टरों ने उन्हें ऐसा करने से मना कर दिया है। बोले मन की इच्छा तो प्रबल है किन्तु बढ़ती उम्र के साथ अब आगे ऐसा कर जल चढ़ाने की उम्मीद धुंधली होती नजर आ रही है।

सरगवां में किया गया भूमि का चयन

नहीं टूटेगा राजमोहिनीदेवी भवन, सरगवां में बनेगा एक हजार सीटर ऑडिटोरियम

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

माता राजमोहिनीदेवी भवन को अब तोड़ा नहीं जाएगा। नगर निगम सरकार अब किसी दूसरे स्थान पर 1 हजार सीटर ऑडिटोरियम का निर्माण करेगी। ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु स्थल का चयन किया जा रहा है और सुभाषनगर और सरगवां में रिक्त पड़ी भूमि चिन्हांकित कर ली गई है। अधिकारी जल्द ही स्थल चयन के बाद भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की बात कह रहे है।

खास बात
- 20 करोड़ की मिली है स्वीकृति

बता दें कि प्रदेश सरकार की ओर से नगर निगम को 1 हजार सीटर ऑडिटोरियम के निर्माण की स्वीकृति दी गई थी। इस ऑडिटोरियम का निर्माण 20 करोड़ रूपए की लागत से किया जाना है।

फाइल फोटो

शुरुआत में यह बात सामने आई थी कि ऑडिटोरियम का निर्माण वर्तमान में पीजी कॉलेज के सामने स्थित माता राजमोहिनीदेवी भवन के स्थान पर किया जाएगा और इसके लिए वर्षों पुराने धरोहर को तोड़ा जाएगा। भवन को तोड़ने की बात आने के बाद विपक्ष ने इसका विरोध किया था वहीं यह बात भी सामने आई कि एक हजार सीट ऑडिटोरियम के हिसाब से यहां पार्किंग व अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हो पाएंगी। ऐसे में नगर निगम सरकार ने इस भवन को तोड़ने का विचार अब छोड़ दिया है व किसी रिक्त भूमि पर 1 हजार सीटर ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाएगा। एक हजार सीटर ऑडिटोरियम व इसके पार्किंग सहित कार्यों के लिए लगभग 3 एकड़ भूमि की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि नगर निगम सरकार ने शहर के वार्ड क्रमांक 2 के साथ ही सरगवां में एक खाली भूमि का चिन्हांकन किया गया है। नगर निगम द्वारा सरगवां में रिक्त पड़े भूमि को ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु उपयुक्त माना गया है लेकिन फिलहाल भवन के निर्माण को लेकर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है।

दो फ्लोर का होगा ऑडिटोरियम

बताया जा रहा है कि 20 करोड़ रूपए की लागत से सर्व सुविधायुक्त ऑडिटोरियम का निर्माण कराया जाएगा। ऑडिटोरियम का भवन दो फ्लोर का होगा और इसमें बड़े हाल के साथ ही बालकनी होगी। एक हजार सीटर ऑडिटोरियम में रेस्ट रूम के निर्माण की भी योजना बनाई जा रही है। बड़े स्थान पर ऑडिटोरियम का निर्माण किए जाने से लोगों को आवागमन और पार्किंग जैसी सुविधा आसानी से मिल सकेगी। इस एक हजार सीटर ऑडिटोरियम के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेगी और स्थानीय प्रतिभाओं को भी इस ऑडिटोरियम में अपनी प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिल सकेगा।

चल रही है प्रक्रिया

ऑडिटोरियम के निर्माण हेतु स्थल का चयन किया जा रहा है। सुभाष नगर और सरगवां में से एक स्थल का चयन कर जल्द ही निर्माण हेतु प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।
-श्रीमती मंजूषा भगत, महापौर

नाबालिग भाई बहनों का अपहरण कर देह व्यापार में धकेलने की थी साजिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

मासूम बच्चों को देह व्यापार में धकेलने का प्रयास करने वाले आरोपियों के खिलाफ कोर्ट ने कड़ी सजा सुनाई है। बच्चों का अपहरण कर उन्हें बेचने और मजदूरी व देह व्यापार के के दलदल में धकेलने का प्रयास करने वाली दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को विशेष न्यायाधीश (एनआईए) ने 14-14 साल के कठोर कारावास की सजा दी है। न्यायालयीन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जशपुर जिले के कांसाबेल क्षेत्र में रहने वाले 12 व 14 वर्षीया बच्चियों व 10 वर्षीय बालक पिता की मौत के बाद अपने दादा के घर में रहते थे। इस दौरान 12 अप्रैल 2024 से रहस्यमय ढंग से लापता हो गए थे। बच्चों के लापता होने पर परिजन ने उनकी खोजबीन शुरू गई। कई दिनों तक चली खोजबीन के बाद पता चला कि बच्चों को अंतिम बार स्कूटी में गांव की बिमला यादव के साथ देखा गया था लेकिन जब परिजन ने बिमला यादव से पूछताछ की तो वह मुकर गई। ऐसे में परिजन ने मामले की शिकायत पुलिस से की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने बिमला यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल करते हुए बच्चों को एमपी में बेचने की बात कही। आरोपी दम्पति ने बच्चों को घर में कैद करके रखा था और इन बच्चियों को देह व्यापार के दलदल में धकेलने और बालक को मजदूरी के लिए बेचने की योजना थी। आरोपियों ने बच्चियों का विवाह कराने के नाम पर कुछ लोगों से मिलवाया भी था। इस मामले में पुलिस ने भादवि की धारा 120बी, 363, 365, 366(क), 368, 370 के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपियों जशपुर जिले के टांगरगांव निवासी 36 वर्षीया बिमला यादव पति स्व. दिलीप यादव, दम्पति एमपी छतरपुर बिजावर उदयपूरा निवासी 33 वर्षीय कोमल अहिरवार आ. ओमेदा अहिरवार व 31 वर्षीया नीलू उर्फ निर्मला नायक पति कोमल अहिरवार को गिरफ्तार किया था। 22 जुलाई को इस प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (एनआईए) पीठासीना अधिकारी केएल चरयाणी के कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान शासन की ओर से लोक अभियोजक गौरंगो सिंह ने अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान विमला यादव, नीलू उर्फ निर्मला नायक और कोमल अहिरवार को दोषी माना। विमला ने बच्चों का अपहरण किया और उन्हें दम्पति को बेच दिया जबकि दम्पति भी बच्चों का व्यापार कर लाभ अर्जित करना चाहते थे। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को सभी धाराओं में अधिकतम 14-14 साल एक कठोर कारावास व 8-8 हजार रूपए के अर्थ दंड से दण्डित किया है।

- कोर्ट ने दो महिलाओं समेत तीन आरोपियों को दी 14-14 साल की कठोर सजा

युवा आयोग अध्यक्ष तोमर मिले आईआईआईटी के कुलपति से

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय तोमर ने बीते दिनों आईआईआईटी के कुलपति ओमप्रकाश व्यास से मुलाकात कर प्रदेश के 150 युवाओं को एआई व नई टेक्नोलॉजी में ट्रेंड करने के संबंध में बात की।

श्री तोमर ने बताया कि कुलपति श्री व्यास से आईआईआईटी में पढ़ने का सपना देखने को नई जनरेशन की एआई व नई टेक्नोलॉजी से जुड़ी अल्पावधि की शिक्षा से जोड़कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने की योजना बनी है। आईआईआईटी रायपुर में दिसम्बर व जून में अवकाश के दौरान हॉस्टल व कॉलेज कैम्पस खाली रहता है। इन दो महीनों में 150 चयनित युवाओं को आधुनिक टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग देकर भविष्य के लिए तैयार किया जा सकता है। उन्होंने युवा आयोग द्वारा जल्द विशेष ट्रेनिंग हेतु गाइडलाइन बनाने की बात कही।

अशक्त बुजुर्ग महिला की मदद के लिए बाहर निकले न्यायाधीश, बेंच पर बैठ की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

मोटर दुर्घटना दावा के प्रकरण में जमा राशि का भुगतान लेने पहुंची बुजुर्ग महिला के अभिकरण की सीढ़ियां चढ़ने में अक्षम होने की जानकारी मिलते ही अभिकरण के पीठासीन अधिकारी मानवता की मिसाल पेश करते हुए अपनी सीट छोड़कर महिला के पास पहुंच गए। अपने कक्ष से बाहर निकलकर उन्होंने भुगतान की प्रक्रिया पूरी कराई तथा तत्काल महिला को दावा राशि का भुगतान भी कराया।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में जमा राशि का भुगतान लेने बुधवार को किसी तरह जगमोहिनी देवी मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण पहुंची थी। इस दौरान उनके अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी भी मौजूद थे। अत्यधिक उम्र होने के कारण जगमोहिनी देवी अभिकरण की सीढ़ियां चढ़ने की बार-बार कोशिशें कर रही थी लेकिन सफल नहीं हो रही थी। बार-बार के प्रयास में थककर वे पास में बैठ गई। बुजुर्ग महिला की हालत देख अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी अभिकरण के पीठासीन न्यायाधीश के पास पहुंचे एवं बुजुर्ग महिला के लगातार कोशिशों के बावजूद अभिकरण की सीढ़ियां नहीं चढ़ पाने की जानकारी दी। बुजुर्ग महिला की अशक्तता की जानकारी मिलते ही अभिकरण के पीठासीन न्यायाधीश मुकेश तिवारी मानवता की मिसाल पेश करते हुए तत्काल अपने कक्ष से बाहर निकलकर सीढ़ियां उतरकर बुजुर्ग महिला के पास पहुंच गए। उन्होंने स्वयं ही प्रकरण में महिला के भुगतान की अग्रिम कार्रवाई पूरी की तथा तत्काल महिला के दावा राशि का भुगतान कराया। बुजुर्ग महिला ने पीठासीन न्यायाधीश मुकेश तिवारी की सहृदयता की जमकर सराहना की तथा ईश्वर से उनका मार्ग प्रशस्त करने की कामना की। मानवता के लिए की गई इस पहल को लेकर पीठासीन न्यायाधीश श्री तिवारी को न्यायालय परिसर में लोगों ने जमकर सराहा।

आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की गई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेदम/बतौली

आकाशीय बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। गत दिन दोपहर खेत में रोपा लगाने जाने के दौरान तेज बारिश के साथ बतौली क्षेत्र के अलग-अलग जगह पर आकाशीय बिजली गिरा जिसके चपेट में दोनों युवक आ गए। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

जानकारी के अनुसार दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम करा पाटीपारा निवासी अनिल नगेसिया आ. बलराज नगेसिया (28 वर्ष) अपने ससुराल ग्राम मांजा गया था। गत दिन पत्नी बुधियारों के साथ खेत में रोपा लगाने जा रहे थे। तभी तेज बारिश होने पर अनिल जामुन पेड़ के नीचे खड़ा हो गया जबकि पत्नी खेत में रोपा लगाने चली गई। इसी बीच तेज गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली पेड़ के समीप गिरा जिसके चपेट में आने से युवक मौके पर ही अचेत हो गया। पेड़ के नीचे अचेत पड़ा देख परिजन युवक को तत्काल बतौली अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने जांच उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। इसी प्रकार दूसरी घटना में कुनकुरीकला निवासी रोशन पैकरा आ. स्व. चेतन राम (17 वर्ष) गत दिन दोपहर मां लीलावती पैकरा के साथ ग्राम कुनकुरी स्थित खेत में रोपा लगाने गया था। दोपहर को अचानक बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से रोशन पैकरा मौके पर ही अचेत हो गया और कुछ देर बाद उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इधर जब परिजन मौके पर पहुंचे तो रोशन मृत हालत में पड़ा हुआ था। सूचना पर पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम करने के पश्चात शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

बाइक सहित सड़क किनारे गिरे युवक, एक की मौत

अम्बिकापुर। भदवा टिकरा मुख्य मार्ग पर बाइक सवार अनियंत्रित होकर बाइक सहित सड़क किनारे गिर गए। दुर्घटना में गंभीर हुए एक युवक की मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई जबकि दूसरे युवक का उपचार जारी है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है। जानकारी के अनुसार कापू थाना अंतर्गत ग्राम सोनपुर निवासी विकेश्वर मांझी आ. ठाकुर राम (23 वर्ष) 22 जुलाई की दोपहर रिश्ते के भाई सुरेंद्र मांझी के साथ कापू से घर लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार भदवा टिकरा मुख्य मार्ग पर पहुंचे तभी बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गए। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को कापू अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने युवकों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के पश्चात मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान विकेश्वर की मौत हो गई वहीं सुरेन्द्र का उपचार जारी है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है।

चोरों ने घर के सामने से पार किया बाइक

अम्बिकापुर। ग्राम बिनकरा निवासी बरसाती सिंह श्याम आ. नेतराम श्याम (28 वर्ष) ने लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि गत दिन दोस्त ग्राम लहपटरा निवासी हिमांशु राजवाड़े को अपनी बाइक क्रमांक सीजी 15 सीवाई 8354 को दिया था।

पृष्ठ 1 का शेष

आबकारी आरक्षक भर्ती...

आधे घंटे के दौरान परीक्षार्थियों का बाहर जाना प्रतिबंधित रहेगा। ड्र. 107, ड्र. 108 एवं ड्र. 109 जैसे नए प्रपत्रों के प्रयोग की जानकारी भी दी गई। अपर कलेक्टर श्री मरकाम ने निर्देश दिया कि परीक्षा संचालन में ड्रेसकोड और समय पालन के निर्देशों का कठोरता से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य द्वार पर ड्यूटी पर लगे शिक्षकों का व्यवहार विनम्र हो, परंतु अनुशासनात्मक दृष्टि से सख्त भी हो। किसी भी प्रकार की बहस या विवाद से बचा जाए। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीम पूर्णतः सतर्क होगी, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। अंत में केन्द्राध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि व्यापम द्वारा जारी समय-सारिणी का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि सभी परीक्षार्थी समय पर परीक्षा केन्द्र पर पहुंच सकें और ड्रेसकोड के पालन के प्रति सतर्क रहें।

शिकायत के बाद...

पंचायत जनकपुर के चुने हुए जनप्रतिनिधियों अध्यक्ष और पार्षद द्वारा संयुक्त हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन थाना प्रभारी पुलिस थाना जनकपुर, एसडीओ लोक निर्माण विभाग जनकपुर, एसडीएम भरतपुर को सौपकर नीलगीरी के विशालकाय पेड़ों को काटकर गायब किए जाने की जांच और कार्रवाई किए जाने की मांग किए थे, लेकिन तीन माह व्यतीत हो जाने के बाद भी किसी भी जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस मामले में अब तक जांच व कार्रवाई नहीं की गई है, बल्कि शिकायत पत्रों को ठंडे बस्ते में डालकर अनजान बने हुए है, जिससे नगरवासियों के समक्ष जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका इस मामले में संदेहास्पद हो गई है। प्रथम जनदर्शन में अपर कलेक्टर विनायक शर्मा ने क्षेत्र के अन्य ग्रामीण जन और नागरिकों से उनकी छोटी-बड़ी समस्याओं, मांगो व शिकायत पत्रों को गंभीरता से सुनकर प्राप्त सभी 20 आवेदन पत्रों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। वहीं अपर कलेक्टर विनायक शर्मा ने बताया कि क्षेत्र के ग्रामीणजन व नागरिकों की विभिन्न समस्याओं, मांगो एवं शिकायतों को सुनकर त्वरित निराकरण करने के लिए प्रत्येक माह के दूसरे और चौथे मंगलवार को एसडीएम कार्यालय भरतपुर में कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

श्रावण मास में...

श्रावण में इनकी सेवा और रोपण विशेष फलदायी होता है। हरियाली अमावस्या के अवसर पर समिति द्वारा नगर के विभिन्न हिस्सों में पीपल, नीम, अशोक, अमरूद, तुलसी आदि के पौधे रोपने का संकल्प लिया गया। इस दौरान समिति सदस्यों ने नारा दिया। वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ यही है शिव का सच्चा उपहार। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि आस्था के साथ यदि पर्यावरण के प्रति दायित्व निभाए जाएं, तो समाज और प्रकृति दोनों को बल मिलेगा। इस अवसर पर मंदिर में श्रृंगारित शिवलिंग का रूद्राभिषेक, वेदमंत्रोच्चार, पीपल पूजन एवं शिव नाम संकीर्तन का आयोजन भी किया गया। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संगम अभियान से...

सचिव, बिहान टीम और मनरेगा के कार्यक्रम अधिकारी की उपस्थिति रही। ग्राम पंचायत तंजरा में अब तक 50 श्रमिक परिवारों को अलग-अलग पशुपालन शेड स्वीकृत किए गए हैं। बिहान समूह से जुड़ी इन महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में महिलाओं को अपने पशु संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आयवर्धन के तरीके बताए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. रामस्वरूप चंदे, पशु विभाग अधिकारी, सोनहत द्वारा बकरी, मुर्गी और अन्य पशुपालन की वैज्ञानिक विधियों, रोग नियंत्रण, आहार प्रबंधन, टीकाकरण और साफ-सफाई जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। महिलाओं ने अपनी जिज्ञासाएं भी साझा कीं, जिनका समाधान विशेषज्ञ द्वारा किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संगम अभियान के तहत यह प्रशिक्षण शुरू किया गया है।